फ़तह !

जन्म लेने वाली बिरादरी की ख़ुशी

fatah! janm lene wālī birādarī kī ḳhushī

Victory! The Joy of the Emerging Community

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 31]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is derived from Clker-Free-Vector-Images https://pixabay.com/vectors/balloon-green-shiny-helium-happy-25735/; ditto https://pixabay.com/vectors/balloon-birthday-balloon-25734/; ditto https://pixabay.com/vectors/balloon-birthday-balloon-25739/; ditto https://pixabay.com/vectors/fireworks-explosion-firecracker-40954/; jean_victor_balin https://openclipart.org/detail/16992/flatcake; OpenClipart-Vectors https://pixabay.com/vectors/banners-celebration-decoration-2026059/; BarelyDevi https://pixabay.com/illustrations/party-popper-popper-congratulations-5009414/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

तुमको नई ज़िंदगी मिलेगी	1
तुम ख़ुदा के लाडले होगे	5
आसमान का रास्ता खुल जाएगा	7
दुनिया पर फ़तह पाई जाएगी	9
इंजील, यूहन्ना 16:16-33	12

ईसा मसीह जानता था कि थोड़ी देर बाद मुझे इस दुनिया को छोड़ना है। इसलिए उसने अपने शागिर्दों को आख़िरी हिदायात दीं ताकि वह उस वक़्त के लिए तैयार हो जाएँ। वह जान लें कि हमारे आक़ा हमें अकेला नहीं छोड़ेंगे। वह रूहुल-क़ुद्स भेजेंगे जिसमें वह ख़ुद हमारे दिलों में सुकूनत करेंगे। अब ईसा मसीह ने एक आख़िरी मज़मून छेड़ा। यह कि तुम्हें थोड़ी देर दुख होगा, लेकिन जल्द ही यह दुख ख़ुशी में बदल जाएगा—उस समय जब मेरी बिरादरी जन्म लेगी। यह बिरादरी क्यों हद से ज़्यादा ख़ुशी मनाएगी? इसकी चार वुजूहात होंगी। बिरादराना ख़ुशी की पहली वजह,

तुमको नई ज़िंदगी मिलेगी

उसने फ़रमाया,

> थोड़ी देर के बाद तुम मुझे नहीं देखोगे। फिर थोड़ी देर के बाद तुम मुझे दुबारा देख लोगे। (यूहन्ना 16:16)

उसके कुछ शागिर्द आपस में बात करने लगे, “उनके यह कहने से क्या मुराद है कि ‘थोड़ी देर के बाद तुम मुझे नहीं देखोगे, फिर थोड़ी देर के

बाद मुझे दुबारा देख लोगे'? और इसका क्या मतलब है, 'मैं बाप के पास जा रहा हूँ'? यह किस क़िस्म की 'थोड़ी देर' है जिसका ज़िक्र वह कर रहे हैं? हम उनकी बात नहीं समझते।"

ईसा मसीह ने जान लिया कि वह आपस में ऐसी बातें कर रहे हैं। उसने जवाब में फ़रमाया,

> तुम रो रोकर मातम करोगे जबकि दुनिया ख़ुश होगी। तुम ग़म करोगे, लेकिन तुम्हारा ग़म ख़ुशी में बदल जाएगा। जब किसी औरत के बच्चा पैदा होनेवाला होता है तो उसे ग़म और तकलीफ़ होती है क्योंकि उसका वक़्त आ गया है। लेकिन ज्योंही बच्चा पैदा हो जाता है तो माँ ख़ुशी के मारे कि एक इनसान दुनिया में आ गया है अपनी तमाम मुसीबत भूल जाती है। यही तुम्हारी हालत है। क्योंकि अब तुम ग़मज़दा हो, लेकिन मैं तुमसे दुबारा मिलूँगा। उस वक़्त तुमको ख़ुशी होगी, ऐसी ख़ुशी जो तुमसे कोई छीन न लेगा।
> (यूहन्ना 16:20-22)

► **ईसा मसीह किस वक़्त का ज़िक्र कर रहा था?**

वह अपनी मौत का ज़िक्र कर रहा था। उस वक़्त शागिर्द सख़्त मातम करेंगे।

► **वह क्यों मातम करेंगे?**

इसलिए कि ईसा मसीह उनके साथ नहीं होगा, हालाँकि वह पक्की उम्मीद रखते थे कि वह बादशाह बनेगा।

► **दुनिया क्यों ख़ुश होगी?**

इसलिए कि वह समझेगी कि ईसा मसीह को मार डालने से हमारा मसला हल हो गया है। आइंदा उसके कलाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। आइंदा कोई नहीं कहेगा कि सुधर जाओ, तौबा करो। दुनिया का हुक्मरान इबलीस सबसे ख़ुश होगा। वह तो समझेगा कि मेरा सबसे बड़ा दुश्मन ख़त्म है, अब मेरी हुकूमत और ज़्यादा पक्की हो गई है।

► **लेकिन शागिर्दों का ग़म नहीं रहेगा। ग़म जल्द ही ख़ुशी में बदल जाएगा। क्यों?**

ईसा मसीह फ़रमाता है कि थोड़ी देर बाद मैं तुमसे दुबारा मिलूँगा।

► **सलीबी मौत के बाद यह किस तरह मुमकिन होगा?**

यह इससे होगा कि वह जी उठेगा और उनसे मिलेगा। बाद में जब उसे आसमान पर उठाया जाएगा तो रूहुल-क़ुद्स नाज़िल होगा जिसमें ईसा मसीह अपने शागिर्दों के दिलों में बसेगा।

► **ईसा मसीह यहाँ शागिर्दों की ख़ुशी एक ख़ूबसूरत मिसाल से बयान करता है। कौन-सी मिसाल से?**

जन्म देनेवाली औरत की मिसाल से। जब औरत के बच्चा पैदा होने लगता है तो औरत को ग़म और तकलीफ़ होती है क्योंकि उसका

वक़्त आ गया है। लेकिन ज्योंही बच्चा पैदा हो जाता है तो माँ ख़ुशी के मारे कि एक इनसान दुनिया में आ गया है अपनी तमाम मुसीबत भूल जाती है।

► **यह मिसाल किस तरह शागिर्दों की आनेवाली ख़ुशी बयान करती है?**

ईसा मसीह की मौत भी ऐसी औरत की सख़्त दिक़्क़त की तरह होगी। जिस तरह माँ को ग़म और तकलीफ़ होती है जब उसका वक़्त आ जाता है उसी तरह ईसा मसीह और उसके शागिर्दों को ग़म और तकलीफ़ होगी जब उसका वक़्त आ जाएगा। लेकिन माँ की तकलीफ़ का एक मक़सद होता है, यह कि बच्चा पैदा हो जाए। बिलकुल इसी तरह मसीह की तकलीफ़ का एक मक़सद था, यह कि इनसान नए सिरे से पैदा हो जाए, कि रूह की नई बिरादरी जन्म ले। और जिस तरह बच्चे के पैदा हो जाने पर माँ इतनी ख़ुश हो जाती है कि वह अपनी तमाम मुसीबत भूल जाती है उसी तरह शागिर्द ख़ुशी के मारे अपनी तमाम मुसीबत भूल जाएँगे—इसलिए भूल जाएँगे कि अपनी जान देने और जी उठने से ईसा मसीह मौत और इबलीस पर फ़तह पाकर शागिर्दों से दुबारा मिलेगा। उस वक़्त शागिर्द रूहुल-क़ुद्स की मदद से नए सिरे से पैदा हो जाएँगे। तब वह मसीह की जीत, अपनी रूहानी पैदाइश और नई बिरादरी की ख़ुशी मनाएँगे।

► **क्या यह ख़ुशी कभी ख़त्म होगी?**

नहीं। यह ऐसी ख़ुशी होगी जो कोई उनसे छीन न लेगा।

► **यह ख़ुशी कोई क्यों नहीं छीन सकता?**

इसलिए कि ईसा मसीह आसमान पर उठाए जाने के बाद भी उनमें मौजूद होगा। वह रूहुल-क़ुद्स के ज़रीए उनके दिलों में बसेगा। ईसा मसीह की हुज़ूरी उन्हें मज़बूत रखेगी। चूँकि वह आज तक ज़िंदा है इसलिए हमारी उम्मीद पुख़्ता है, इसलिए कोई यह ख़ुशी छीन नहीं सकता।

► **क्या आपको इस बिरादरी की नई ज़िंदगी हासिल है?**

बिरादराना ख़ुशी की दूसरी वजह,

तुम ख़ुदा के लाडले होगे

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> उस दिन तुम मुझसे कुछ नहीं पूछोगे। मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो कुछ तुम मेरे नाम में बाप से माँगोगे वह तुमको देगा। अब तक तुमने मेरे नाम में कुछ नहीं माँगा। माँगो तो तुमको मिलेगा। फिर तुम्हारी ख़ुशी पूरी हो जाएगी। (यूहन्ना 16:23-24)

► **उस दिन तुम मुझसे नहीं पूछोगे—इसका क्या मतलब है?**

इस वक़्त शागिर्द ईसा मसीह की राह समझ नहीं सकते। इसलिए वह बार बार पूछ रहे हैं कि उसकी बातों का क्या मतलब है। लेकिन

उसके जी उठने के बाद उन्हें सलीबी राह के मक़सद की समझ आएगी। तब पूछने की ज़रूरत ही नहीं रहेगी।

► **तब वह क्या करेंगे?**

तब वह मसीह के नाम में ख़ुदा बाप से माँगेंगे।

► **उनको माँगने पर क्या मिलेगा?**

जो कुछ वह माँगेंगे।

► **तब उनकी ख़ुशी कैसी होगी?**

वह पूरी हो जाएगी।

► **क्यों पूरी हो जाएगी?**

इसलिए कि उन्हें मिलेगा। उन्हें यों मिलेगा जिस तरह बच्चे को बाप से मिलता है। बच्चा अपने बाप से माँगता है। बाप उसे वह चीज़ न भी दे, लेकिन वह ज़रूर उसकी सुनेगा। वह उसे उसकी ज़रूरियात के मुताबिक़ ज़रूर देगा, यों जिस तरह सिर्फ़ अच्छा बाप दे सकता है।

ग़रज़ नई बिरादरी के लोग ख़ुदा के लाडले हैं, उसके प्यारे बच्चे। और जिस तरह बाप का लाडला हर वक़्त बाप के पास आकर माँग सकता है उसी तरह नई बिरादरी के लोग बेझिझक अपने आसमानी बाप के हुज़ूर आ सकते हैं।

► **क्या आप भी ख़ुदा के लाडले हैं?**

बिरादराना ख़ुशी की तीसरी वजह,

आसमान का रास्ता खुल जाएगा

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> उस वक़्त मैं तमसीलों में बात नहीं करूँगा बल्कि तुमको बाप के बारे में साफ़ साफ़ बता दूँगा। (यूहन्ना 16:25)

► **जी उठने के बाद ईसा मसीह किस तरह बात करेगा?**
वह ख़ुदा बाप के बारे में साफ़ साफ़ बात करेगा। वह तमसीलों में बात नहीं करेगा। इस वक़्त शागिर्दों को उसकी बातें पहेलियों जैसी लग रही हैं। लेकिन उस वक़्त ईसा मसीह की इस दुनिया में राह साफ़ दिखेगी। उन्हें नजात की राह की पूरी समझ आएगी। यही ख़ुदा बाप के बारे में सबसे अज़ीम बात है—यह कि उसने अपने प्यारे फ़रज़ंद को इस दुनिया में भेज दिया ताकि हमें गुनाह, मौत और इबलीस के क़ब्ज़े से नजात मिले। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> उस दिन तुम मेरा नाम लेकर माँगोगे। मेरे कहने का मतलब यह नहीं कि मैं ही तुम्हारी ख़ातिर बाप से दर-ख़ास्त करूँगा। क्योंकि बाप ख़ुद तुमको प्यार करता है, इसलिए कि तुमने मुझे प्यार किया है और ईमान लाए हो कि मैं अल्लाह में से निकल आया हूँ।
> (यूहन्ना 16:26-27)

► **मतलब यह नहीं कि मैं ही तुम्हारी ख़ातिर बाप से दरख़ास्त करूँगा—इसका क्या मतलब है? क्या ईसा मसीह आइंदा ईमानदारों की ख़ातिर बाप से दरख़ास्त नहीं करेगा?**

वह ज़रूर दरख़ास्त करेगा। लेकिन बुनियादी बात तो हो चुकी होगी। ईसा मसीह के मरने और जी उठने से उसके लोग न सिर्फ़ मसीह की बिरादरी में शामिल हो जाएँगे। इससे नई बिरादरी के लिए आसमान का रास्ता खुल जाएगा। जो रास्ता पहले यों बंद था कि इनसान ख़ुदा के हुज़ूर नहीं आ सकता था वह खुल जाएगा। तब इसकी ज़रूरत नहीं होगी कि ईमानदार ख़ुदा से दूर रहने की वजह से ईसा मसीह से गुज़ारिश करें कि वह बाप को उनकी तरफ़ मायल करे। उस वक़्त हर ईमानदार सीधा ख़ुदा बाप के हुज़ूर आ सकेगा। क्योंकि वह नई बिरादरी में शामिल होने से ख़ुदा बाप का लाडला होगा। कौन-सा बाप अपने लाडले की बात नहीं सुनता? उस वक़्त से कोई फ़रक़ नहीं होगा कि हम मसीह का नाम लेकर ख़ुदा बाप से दुआ करें या मसीह से दुआ करें। एक ही बात होगी, क्योंकि ख़ुदा बाप और ख़ुदा फ़रज़ंद में गहरी यगांगत है।

► **क्या आपके लिए भी आसमान का रास्ता खुल गया है?**

बिरादराना ख़ुशी की चौथी वजह,

दुनिया पर फ़तह पाई जाएगी

मसीह की यह बातें सुनकर शागिर्दों को लगा कि बात साफ़ हो गई है। वह बोले, "अब आप तमसीलों में नहीं बल्कि साफ़ साफ़ बात कर रहे हैं। अब हमें समझ आई है कि आप सब कुछ जानते हैं और कि इसकी ज़रूरत नहीं कि कोई आपकी पूछ-गछ करे। इसलिए हम ईमान रखते हैं कि आप अल्लाह में से निकलकर आए हैं।"

शागिर्द समझते थे कि अब उस्ताद तमसीलों में नहीं बल्कि साफ़ साफ़ बात कर रहे हैं।

► **शागिर्दों को किस बात की समझ आई?**

यह साफ़ मालूम नहीं होता, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें ज़रूर महसूस हुआ कि उसे सब कुछ मालूम है और कि वह अल्लाह में से निकलकर आया है।

► **क्या उन्हें सचमुच समझ आई थी?**

नहीं। वह कुछ नहीं समझते थे। और यह हो भी नहीं सकता था। उन्हें सलीब की राह की समझ उस वक़्त आई जब ईसा मसीह जी उठकर उन पर ज़ाहिर हुआ। इसलिए मसीह ने दुख-भरी आवाज़ के साथ फ़रमाया,

> अब तुम ईमान रखते हो? देखो, वह वक़्त आ रहा है बल्कि आ चुका है जब तुम तित्तर-बित्तर हो जाओगे। मुझे अकेला छोड़कर हर एक अपने घर चला जाएगा।

> तो भी मैं अकेला नहीं हूँगा क्योंकि बाप मेरे साथ है। (यूहन्ना 16:31-32)

► **क्या ईसा मसीह मान गया कि शागिर्द समझ गए हैं?**

नहीं। उसने उनकी बातों से धोका न खाया। वह साफ़ साफ़ जानता था कि उन्हें समझ नहीं आई। न सिर्फ़ यह। वह उसे अकेला भी छोड़ेंगे। बस एक ही है जिस पर पूरा भरोसा किया जा सकता है—ख़ुदा बाप जो उसे नहीं छोड़ेगा।

► **अगर उसे मालूम था कि शागिर्द कुछ नहीं समझ रहे हैं तो उसने यह तमाम बातें क्यों उन्हें बताई थीं?**

उसने फ़रमाया,

> मैंने तुमको इसलिए यह बात बताई ताकि तुम मुझमें सलामती पाओ। दुनिया में तुम मुसीबत में फँसे रहते हो। लेकिन हौसला रखो, मैं दुनिया पर ग़ालिब आया हूँ। (यूहन्ना 16:33)

► **उसने यह तमाम बातें क्यों उन्हें बताई थीं?**

उसने उनको इसलिए यह बातें बताई थीं ताकि वह मसीह में सलामती पाएँ।

► **वह उसमें किस तरह सलामती पा सकते हैं?**

वह फ़रमा चुका था कि मैं अंगूर की बेल हूँ और तुम मेरी शाख़ें हो। मुझमें रहो। मेरा रस पाते रहो। मेरी हर बात पर अमल करते

रहो। तब तुम्हें सलामती मिलेगी। रस में उसकी ताक़त है। याद रखो : मसीह से आसमानी घर का रास्ता खुल गया इसलिए हम ठोस क़दम रखकर आगे बढ़ेंगे। दुश्मन जो भी हमला हम पर करे उसका सामना हम कर पाएँगे—अपनी ताक़त से नहीं बल्कि उसी की ताक़त से।

तब ईसा मसीह ने एक आख़िरी बात की,

> दुनिया में तुम मुसीबत में फँसे रहते हो। लेकिन हौसला रखो, मैं दुनिया पर ग़ालिब आया हूँ। (यूहन्ना 16:33)

कितनी सुकून दिलानेवाली बात!

► **क्या ईमान लाने से हम दुनिया की मुसीबत से बचेंगे?**

नहीं। सच्चा ईमानदार मुसीबत में फँसा रहेगा। जिसे कोई मुसीबत न हो, जिसे इस दुनिया में कामयाबी ही कामयाबी हासिल हो, उसे अपने आपसे यह पूछना चाहिए कि क्या मैं ठीक मसीह की राह पर चल रहा हूँ? इसका मतलब नहीं कि सच्चा ईमानदार अमीर नहीं हो सकता। लेकिन जिस अमीर को बहुत मिला है उसकी ज़िम्मेदारियाँ भी बढ़ जाती हैं। अगर वह सच्चा हो तो वह भी मुसीबतों से नहीं बचेगा।

लेकिन साथ साथ मसीह ने यह भी फ़रमाया : हौसला रखो, मैं दुनिया पर ग़ालिब आया हूँ!

► **ईसा मसीह किस तरह दुनिया पर ग़ालिब आया है?**

वह अपनी सलीबी मौत और जी उठने से दुनिया पर ग़ालिब आया है। दुनिया समझती है कि वह हार गया है, लेकिन इसके उलट हुआ। उसने इससे दुनिया पर फ़तह पाई। इससे उसने हर इनसान को नए सिरे से पैदा होने का मौक़ा बख़्श दिया। इससे उसने जन्म लेनेवाली बिरादरी की बुनियाद रखी। ग़रज़ अपने आपसे पूछो,

- **क्या मुझे नई ज़िंदगी मिल गई है?**
- **क्या मैं ख़ुदा का लाडला हूँ?**
- **क्या मेरे लिए आसमान का रास्ता खुल गया है?**
- **क्या मैं मसीह की फ़तह में शरीक हो गया हूँ?**

इंजील, यूहन्ना 16:16-33

[ईसा मसीह ने फ़रमाया,] “थोड़ी देर के बाद तुम मुझे नहीं देखोगे। फिर थोड़ी देर के बाद तुम मुझे दुबारा देख लोगे।”
उसके कुछ शागिर्द आपस में बात करने लगे, “ईसा के यह कहने से क्या मुराद है कि ‘थोड़ी देर के बाद तुम मुझे नहीं देखोगे, फिर थोड़ी देर के बाद मुझे दुबारा देख लोगे’? और इसका क्या मतलब है, ‘मैं बाप के पास जा रहा हूँ’?” और वह सोचते रहे, “यह किस क़िस्म की ‘थोड़ी देर’ है जिसका ज़िक्र वह कर रहे हैं? हम उनकी बात नहीं समझते।”

ईसा ने जान लिया कि वह मुझसे इसके बारे में सवाल करना चाहते हैं। इसलिए उसने कहा, “क्या तुम एक दूसरे से पूछ रहे हो कि मेरी इस बात का क्या मतलब है कि ‘थोड़ी देर के बाद तुम मुझे नहीं देखोगे, फिर थोड़ी देर के बाद मुझे दुबारा देख लोगे’? मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुम रो रोकर मातम करोगे जबकि दुनिया ख़ुश होगी। तुम ग़म करोगे, लेकिन तुम्हारा ग़म ख़ुशी में बदल जाएगा। जब किसी औरत के बच्चा पैदा होनेवाला होता है तो उसे ग़म और तकलीफ़ होती है क्योंकि उसका वक़्त आ गया है। लेकिन ज्योंही बच्चा पैदा हो जाता है तो माँ ख़ुशी के मारे कि एक इनसान दुनिया में आ गया है अपनी तमाम मुसीबत भूल जाती है। यही तुम्हारी हालत है। क्योंकि अब तुम ग़मज़दा हो, लेकिन मैं तुमसे दुबारा मिलूँगा। उस वक़्त तुमको ख़ुशी होगी, ऐसी ख़ुशी जो तुमसे कोई छीन न लेगा।

उस दिन तुम मुझसे कुछ नहीं पूछोगे। मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो कुछ तुम मेरे नाम में बाप से माँगोगे वह तुमको देगा। अब तक तुमने मेरे नाम में कुछ नहीं माँगा। माँगो तो तुमको मिलेगा। फिर तुम्हारी ख़ुशी पूरी हो जाएगी।

मैंने तुमको यह तमसीलों में बताया है। लेकिन एक दिन आएगा जब मैं ऐसा नहीं करूँगा। उस वक़्त मैं तमसीलों में बात नहीं करूँगा बल्कि तुमको बाप के बारे में साफ़ साफ़ बता दूँगा। उस

दिन तुम मेरा नाम लेकर माँगोगे। मेरे कहने का मतलब यह नहीं कि मैं ही तुम्हारी ख़ातिर बाप से दरख़ास्त करूँगा। क्योंकि बाप ख़ुद तुमको प्यार करता है, इसलिए कि तुमने मुझे प्यार किया है और ईमान लाए हो कि मैं अल्लाह में से निकल आया हूँ। मैं बाप में से निकलकर दुनिया में आया हूँ। और अब मैं दुनिया को छोड़कर बाप के पास वापस जाता हूँ।”

इस पर उसके शागिर्दों ने कहा, “अब आप तमसीलों में नहीं बल्कि साफ़ साफ़ बात कर रहे हैं। अब हमें समझ आई है कि आप सब कुछ जानते हैं और कि इसकी ज़रूरत नहीं कि कोई आपकी पूछ-गछ करे। इसलिए हम ईमान रखते हैं कि आप अल्लाह में से निकलकर आए हैं।”

ईसा ने जवाब दिया, “अब तुम ईमान रखते हो? देखो, वह वक़्त आ रहा है बल्कि आ चुका है जब तुम तित्तर-बित्तर हो जाओगे। मुझे अकेला छोड़कर हर एक अपने घर चला जाएगा। तो भी मैं अकेला नहीं हूँगा क्योंकि बाप मेरे साथ है। मैंने तुमको इसलिए यह बात बताई ताकि तुम मुझमें सलामती पाओ। दुनिया में तुम मुसीबत में फँसे रहते हो। लेकिन हौसला रखो, मैं दुनिया पर ग़ालिब आया हूँ।”